प्र. 3. जैन मूर्तिकला के बारे में विस्तार से समझाइये।

Explain in detail about Jain sculpture.

अथवा / OR

जैन स्तूप किसे कहते हैं? किन्हीं दो स्तूपों के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

What do you mean by Jain mounds (Jain Stupas)? Throw light on the characteristics of two Jain mounds.

प्र. 4. जैन आगम से आप क्या समझते हैं? आचारांग एवं सूत्रकृतांग के मुख्य विषयों पर प्रकाश डालिए।

What do you mean by Jain Agams. Explain the main subjects of Acharang and Sutrakritang.

अथवा / OR

जैन व्याख्या साहित्य से क्या तात्पर्य है? किन्हीं दो व्याख्या साहित्य पर प्रकाश डालिए।

What is Jain explanatory literature? Write an essay of any two of Jain explanatory literatures.

प्र. 5. निम्नांकित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

Write short notes on any two of the followings -

(i) पुराण साहित्य/Puran Literature

(ii) कथा साहित्य/Prose Literature

(iii) योग साहित्य/Yoga Literature

(iv) दार्शनिक साहित्य/Philosophical Literature

♦♦♦

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा – 2016

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

प्रथम पत्र : जैन इतिहास, संस्कृति, साहित्य एवं कला

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. भगवान ऋषभ के जीवन एवं दर्शन पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the life and philosophy of Lord Rishab.

अथवा / OR

भगवान पार्श्वनाथ के जीवन एवं दर्शन पर प्रकाश डालिए।

Explain the life and philosophy of Lord Parswanath.

प्र. 2. जैन संस्कृति की विशेषताएं लिखिए।

Write the characteristics of Jain culture.

अथवा / OR

जैन पर्वों से आप क्या समझते हैं? किन्हीं दो पर्वों का वर्णन कीजिए।

What do you mean by Jain Festivals? Explain any two festivals.

अथवा / OR

जैनाचार के सिद्धान्तों का उद्भव एवं विकास लिखें।

Write the Origin and Development of Jain Ethical Doctrines.

प्र. 4. श्रावकाचार पर एक निबन्ध लिखो।

Write an essay on Ethics of House-Holder (Sravakachara)

अथवा / OR

श्रमणाचार पर एक निबन्ध लिखें।

Write an Essay on Ethics of Monks (Shramanachara).

प्र. 5. नव तत्वों में से किन्हीं चार तत्त्व को विस्तार से समझाइए।

Explain any four elements in detail out of Jain Nine Elements.

अथवा / OR

जैन दर्शन के अनुसार संथारा की अवधारणा को समझाते हुए संथारा व आत्महत्या के अन्तर को स्पष्ट करें।

Explain the concept of Emancipation 'Sanlekhana' according to Jain Philosophy with the difference between Sanlekhana and Suicide.

♦♦♦

एम.ए.(उत्तरार्द्ध) परीक्षा - 2016

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

द्वितीय पत्र : जैन तत्त्व मीमांसा एवं आचार मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन दर्शन के अनुसार द्रव्य, गुण–पर्याय की अवधारणा का विवेचन करें?

Explain the concept of Dravya Guna, Pryaya according to Jain Philosophy?

अथवा / OR

धर्मास्तिकाय व अधर्मास्तिकाय के स्वरूप को विस्तार से समझाइए।

Explain the nature of Dharmastikaya and Adharmastikaya.

प्र. 2. जैन दर्शन के अनुसार 'षडजीवनिकाय' को विस्तार से समझाइए।

Explain in detail the concept of 'Sadjeevnikaya' in Jain Philosophy?

अथवा / OR

टिप्पणी लिखें– काल, जीवास्तिकाय सत्।

Write a Short note on Time, (Kala), Living beings (Jivastikaya), Reality (Satva)

प्र. 3. परमाणु के स्वरूप एवं उसकी बंध प्रक्रिया को समझाइए?

Explain the Nature of Atom (Parmanu) and its bondage (बंध) Process.

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा - 2016

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

तृतीय पत्र : ध्यान योग एवं कर्म मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन साधना पद्धति का ऐतिहासिक सिंहावलोकन का वर्णन करें।

Explain the historical retrospection of jain accustom system.

अथवा / OR

ध्यान के स्वरूप को समझाते हुए सालम्बन ध्यान के चार प्रकार पर निबन्ध लिखें।

Explaining the nature of dhyan write an essay on four parts of Salamban Dhyan.

प्र. 2. लेश्या को परिभाषित करें और उसके वर्गीकरण पर प्रकाश डालें।

Define Leshya and throw light on its classification

अथवा / OR

अनुप्रेक्षा के स्वरूप पर प्रकाश डालें।

Throw light on the nature of Anupreksha.

प्र. 3. योग की परिभाषा लिखते हुए चित्तभूमियों के स्वरूप का वर्णन करें।

Define yoga and explain the nature of chittbhumiyon.

अथवा / OR

योग क्या है? अष्टांग योग पर संक्षिप्त लेख लिखें।

What is Yoga? Write a short note of Ashtang Yoga.

प्र. 4. कर्म क्या है? भारतीय दर्शन और जैन दर्शन में कर्म का तुलनात्मक वर्णन करें।

What is Karma? Explain comparatively karma in Indian philosophy and Jain Philosophy.

अथवा / OR

कर्म की दस अवस्थाओं पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखें।

Write a short note of ten stages of Karma.

प्र. 5. मनोविज्ञान के परिपेक्ष्य में कर्मवाद पर संक्षिप्त लेख लिखें।

Write a short note of Karmic theory in the light of psychology.

अथवा / OR

गुणस्थान की अवस्थाओं पर प्रकाश डालें।

Throw light on stages of spiritual development.

♦♦♦

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) परीक्षा – 2016

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

चतुर्थ पत्र : जैन ज्ञान मीमांसा एवं जैन न्याय

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. दर्शन का स्वरूप समझाते हुए उसके भेदों पर प्रकाश डालिये।

Throw light on the nature of philosophy, explaining its differences.

अथवा / OR

जैन ज्ञान मीमांसा पर लेख लिखिये।

Write an essay on Jain epistemology.

प्र. 2. इन्द्रिय और मन पर लेख लिखिये।

Write an essay on Senses and Mind.

अथवा / OR

मतिज्ञान को परिभाषित करते हुये श्रुतनिश्रित व अश्रुतनिश्रित मतिज्ञान पर प्रकाश डालिये।

Throw light on Matigyan and explain the Srutnishrit and Asrutnishrit Matigyan.

प्र. 3. केवलज्ञान पर प्रकाश डालिये।

Throw light on Omniscience (Kevalaghyan)

अथवा / OR

मनः पर्यवज्ञान पर लेख लिखिये।

Write an essay on Mind-reading knowledge.

प्र. 4. भारतीय न्याय के विकास में जैन आचार्यों के योगदान पर लेख लिखिये।

Write an essay on the contribution of Jain Acaryas in the development of Indian logic (Nyaya)

अथवा / OR

प्रत्यक्ष प्रमाण के भेदों पर प्रकाश डालिये।

Throw light on the types of the immediate valid Cognition.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए –

Write short notes on any four of the following:

(i) हेतु स्वरूप / Nature of Hetu

(ii) प्रत्यभिज्ञान / Prtyabhigyan

(iii) प्रमेय / Pramey

(iv) प्रमाता / Pramata

(v) व्याप्ति / Vyapti

♦♦♦

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा - 2016

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

पंचम पत्र : जैन आगम

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. आचारांग की विषय वस्तु पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the main theme of Acharanga

अथवा / OR

आचारांग सूत्र के अनुसार षड़जीवनिकाय की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

Explain the concept of 'Sadjivanikaya' according to the Acharanga Sutra.

प्र. 2. सूत्रकृतांग सूत्र के आधार पर नियतिवाद की समीक्षा कीजिए।

Write a critical note on the 'Niyativada' on the basis of Sutrakritanga Sutra.

अथवा / OR

सूत्रकृतांग सूत्र के अनुसार चरित्र विशुद्धि के लिए श्रमण को किन आचारों का पालन करना चाहिए? विवेचन कीजिए।/Explain the rules to be followed by Sharman to purify his conduct according to Sutrakritanga Sutra?

प्र. 3. भगवती सूत्र में प्रतिपादित कर्मवेदना और निर्जरा को स्पष्ट कीजिए।

Explain karmvedana and nirjara as propounded Bhagavati sutra.

अथवा / OR

भगवती सूत्र का संक्षिप्त परिचय देते हुए आत्मकर्तृत्ववाद की विवेचना कीजिए।

Give short introduction of Bhagwati Sutra and explain 'Atmakartrtvavada'

प्र. 4. उत्तराध्ययन सूत्र के आधार पर विनय के स्वरूप का विवेचन करें।

Describe the nature of 'modesty' in Uttradhyayana Sutra.

अथवा / OR

दशवैकालिक सूत्र की विषय वस्तु पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the main theme of 'Dasvekalik Sutra'

प्र. 5. समयसार ग्रंथ का परिचय देते हुए सम्यक्त्व के स्वरूप को समझाईये।

Give an introduction of the text 'Samayasar' and explain the nature of 'Samyaktva'

अथवा / OR

निम्न की व्याख्या कीजिए।/Explain the following.

(i) जो इन्दिये जिणित्ता णाणसहावाहियं आदं।
तं खलु जिदिंदियं ते भणन्ति जे णिच्छिदा साहू।।

(ii) अहमेक्को खलु सुद्धो दंसणणाणमइओ सदारूवी।
ण वि अत्थि मज्झ किंचि वि अण्णं परमाणुमेत्तं पि।।

♦♦♦

प्र. 3. 'अनेकान्त' पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on "Anekant'

अथवा / OR

द्रव्य की उत्पाद, व्यय और ध्रौत्यात्मकता की व्याख्या कीजिए।

Explain the Origination, Cessation and Persistence of Substance.

प्र. 4. सप्तभंगी का स्वरूप एवं भेद व्याख्यायित कीजिए।

Explain the nature and types of Saptbhangi.

अथवा / OR

प्रमेय का स्वरूपत्व और पररूपत्व समझाइये।

Explain the Swarupatva of Parrupatva of Pramaya.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिये –

Write short notes on any four of the following :

(i) सन्मति तर्क प्रकरण का परिचय / Introduction of Sanmati Tark Parichaya

(ii) अनेकान्त का उद्‌भव / Origination of Anekant

(iii) निक्षेप / Nikshep

(iv) नय का विकास / Development of Naya

(v) सिद्धसेन दिवाकर / Siddhasen Diwakar

(vi) विमलदास / Vimaldas

♦♦♦

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा – 2016

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

षष्ठ पत्र : अनेकान्त, नय, निक्षेप और स्याद्वाद

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. भगवई के अनुसार द्रव्य–क्षेत्र–काल–भाव को विस्तार से समझाइए।

Explain in detail about the Dravya, Keitra, Kala, Bhava according to Bhagvai.

अथवा / OR

अनुयोगद्वार सूत्र के अनुसार नयों को विभिन्न दृष्टान्तों से समझाइये।

Explain the Nayas through various examples according to Anuyogadvarasutra.

प्र. 2. व्यञ्जन पर्याय–अर्थपर्याय की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

Explain the Vyanjan Paryaya – Arthparyaya in detail.

अथवा / OR

सन्मति प्रकरण के अनुसार नय की व्याख्या कीजिए।

Explain the Standpoint 'Naya' according to Sanmati Prakaran.

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा - 2016

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

सप्तम पत्र : जैन धर्म-दर्शन और भारतीय धर्म-दर्शन

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन एवं अन्य भारतीय धर्म-दर्शन के अनुसार आत्मा का स्वरूप लिखिए।
Write the nature of Soul according to Jain and other Indian Religion and Philosophy.

अथवा / OR

भारतीय दर्शन के अनुसार कारण-कार्य सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।
Explain the theory of cause and effect according to Indian Philosophy.

प्र. 2. तप के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
Explain the concept of "Tapa".

अथवा / OR

''अहिंसा परमोधर्मः'' स्पष्ट कीजिए।
Explain ''Nonviolence is a Supreme Religion".

प्र. 3. भारतीय धर्म की परम्परा में व्रत का स्वरूप लिखिए।
Write the concept of Vrata (Vow) in Indian Religious Tradition.

अथवा / OR

कर्म सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।
Explain the "Theory of Karma".

प्र. 4. जैन न्याय परम्परा का वर्णन कीजिए।
Define the Tradition of Jain Logic.

अथवा / OR

''अनेकान्तवाद समन्वय का सिद्धान्त है''। स्पष्ट कीजिए।
"Non-absolutism is a theory of Coordination". Explain it.

प्र. 5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए।
Write short notes on any four of the following.

1. ध्यान/Meditation
2. भक्ति/Religious Devotion
3. प्रमाण/Praman
4. सत्/Sat
5. मोक्ष/Liberation
6. व्रत/Vrat

♦♦♦

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) परीक्षा – 2016

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

अष्टम पत्र : जैन धर्म–दर्शन और भारतीयेतर धर्म–दर्शन

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश :सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. अरस्तु के द्रव्य एवं अकार की जैन दृष्टि से तुलना कीजिए।

Compare the substance and form of Aristote to Jain's View.

अथवा / OR

डेकार्ट और जैन द्वैतवाद का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

Write a comparative study of Descartes' Dualism and Jain Dualism.

प्र. 2. लाइबनित्ज और काण्ट के देश–काल विषयक विचार की तुलना जैन दर्शन से कीजिए।

Compare the concept of space and Time in Leibnitz & Kantian Philosophy with Jain Philosophy.

अथवा / OR

डेकार्ट और काण्ट के आत्मा सम्बन्धी विचार की तुलना जैन दृष्टि से कीजिए।

Compare the Soul concept of Descartes and Kant with Jain's View of Soul.

प्र. 3. कारणता सिद्धान्त से आप क्या समझते हैं? ह्यूम के कारणता सिद्धान्त की तुलना जैन कारणता सिद्धान्त से कीजिए।

What do you mean by Causation theory? Compare it between Hume and Jain Philosophy.

अथवा / OR

स्पिनोजा के द्रव्य की तुलना जैन द्रव्य से कीजिए।

Compare the Substance of Spinoza with Jain Substance.

प्र. 4. इस्लाम धर्म के नैतिक विचार की तुलना जैन दर्शन के नैतिक विचार से कीजिए।

Compare the concept of Ethics in Islam Religion with Jain Religion.

अथवा / OR

कन्फ्यूशियस धर्म के ईश्वर विचार एवं नैतिक विचार की तुलना ज़ैन दर्शन के ईश्वर एवं नैतिक विचार से कीजिए।

Compare the concept of God & Ethics of Confucius with Jain's God of Ethics.

प्र. 5. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

Write a Short note of the following (Any Two)

1. अणुव्रत आन्दोलन/Annuvrat Movement
2. जैन अहिंसा एवं पर्यावरण संतुलन/Jain Ahimsa and Environment
3. प्रजातन्त्र एवं अनेकान्त/Democracy and Anekant

♦♦♦